

उम्मीद : बायोटेकनोलॉजी उद्योग तीन वर्षों में 15 हजार करोड़ डॉलर का हो जाएगा

भारतीय उद्योग संघ यानी सीआईआई की रिपोर्ट की मानें तो देश में वर्ष 2019 में बायोटेकनोलॉजी उद्योग 6250 करोड़ डॉलर का था। वर्ष 2020 में इसमें 12.3 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई। इसका आकार बढ़कर 7020 करोड़ डॉलर का हो गया था। आगे लगातार बढ़ोतरी का अनुमान है।

2700 से अधिक स्टार्टअप का संचालन

डीवीटी के आंकड़ों के अनुसार देशभर में 35 से अधिक बायोइन्ड्यूस्टर्स का संचालन किया जा रहा है जो विश्व स्तरीय सुविधाओं से लेस हैं। डीवीटी ने वर्ष 2018-19 में कुल 87 स्टार्टअप और आंत्रोप्रेन्योर को सहयोग किया गया है। बायोटेक से जुड़े 11 पेटेंट भी फाइल हुए हैं।

दस वर्षों में 20 फीसदी बढ़ जाएंगे मरीज

इंडिया ग्रांड इकपीटी फाउंडेशन के अनुसार देश में अगले 10 वर्षों में मरीजों की संख्या में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। 130 करोड़ की आबादी में करीब 50 फीसदी 25 साल तक के हैं। युवाओं की संख्या अधिक होने से भारत के पास प्रशिक्षित और अन्य कामगारों का संकट मुश्किल है।

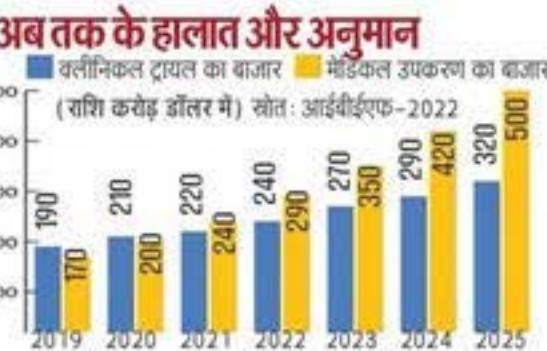


2700

से अधिक बायोटेक स्टार्टअप और 2500 से अधिक बायोटेक कंपनियां देश में

1200

करोड़ डॉलर का हो सकता है देश में बायोलॉजिक्स से जुड़ी दवाओं का बाजार



क्या है बायोटेकनोलॉजी उद्योग जगत

बायोटेकनोलॉजी उद्योग जगत दयाईयों, उपचार संबंधी उपकरणों, टीके समेत अन्य उत्पादों का निर्माण करता है। इसके अलावा फसलों की पैदावार बढ़ाने और वीमारियों से बचाने के लिए कीटनाशकों और दवाइयों का निर्माण करता है।

24.38 लाख करोड़ डॉलर का कारोबार होगा

वैश्विक बायोटेक उद्योग जगत का 2021 में कुल कारोबार 1,00,668 करोड़ डॉलर का कारोबार था। 2028 तक 24.38 लाख करोड़ डॉलर का हो जाएगा। इसमें अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस शीर्ष पर हैं।

वैश्विक स्तर पर भागीदारी भी बढ़ेगी

वर्ष 2021 में बायोटेक उद्योग ने 1200 करोड़ डॉलर का राजस्व एकत्र किया है। 2025 तक देश में सूजन कम करने वाली दवाओं का बाजार 22% की बढ़ोतरी के साथ 1200 करोड़ डॉलर का हो सकता है।

देश के आठ राज्यों में नौ बायोटेक पार्क

देश को बायोटेकनोलॉजी की दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाने की दिशा में आठ राज्यों में नौ बायोटेक पार्क भी खोलने की योजना है। इसमें लखनऊ, हैदराबाद, चेन्नई में दो, गुवाहाटी, कोल्काता, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ में बायोटेक पार्क का संचालन हो रहा है।

कर्नाटक भी आजमा रहा है किस्मत

आईटी क्षेत्र में आगे कर्नाटक बायोटेकनोलॉजी क्षेत्र में भी दबदबा बनाने लगा है। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि 2026 तक राज्य में इस उद्योग को 2600 करोड़ डॉलर से बढ़ाकर पांच हजार करोड़ डॉलर करना है।